हिन्दुस्तान 03
लखनऊ • गुरुवार • 24 दिसंबर 2015

अब आधुनिक तकनीक से लैस होंगे इंजीनियरिंग छात्र

एकेटीयू

लखनऊ। युवा रिपोर्टर

डॉ.एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) के कॉलेजों में पढ़ने वाले छात्र और यहां के प्रोफेसर को नवीनतम तकनीकी से लैस लैब में काम करने का मौका मिल सकेगा। विश्वविद्यालय ने बुधवार को प्रदेश के चार इंजीनियरिंग कॉलेजों में टेक्सास इन्स्ट्रूमेन्ट्स (टीआई) सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना की घोषणा की। इसके लिए एकेटीयू और टीआई के बीच एक अनुबंध भी किया गया है।

इन लैब को स्थापित करने के लिए प्रदेश के दो सरकारी और दो प्राइवेट कॉलेजों को चुना गया है। इनमें, इंस्टीटयूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (आईईटी) लखनऊ और कमला नेहरू इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी सुल्तानपुर के साथ ही जेएसएस अकादमी ऑफ टेक्नीकल एजुकेशन नोएडा और मेरठ इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी शामिल है। बुधवार को आईईटी में इस पहली लैब का उद्घाटन भी किया गया। अच्छी बात ये है कि सभी संबद्ध कॉलेजों के छात्र और प्रोफेसर के लिए ये लैब खुली हैं। एकेटीयू की इस पहल को एकेडमी और इंडस्ट्री के बीच की दूरी को कम किए जाने की दिशा में अहम माना जा रहा है।

कुलपति प्रो. विनय पाठक ने बताया कि अनुबंध के तहत सभी चार कॉलेजों में एक लैब स्थापित की जाएगी। सबकुछ ठीक रहा तो अन्य कॉलेजों में भी इनकी स्थापना की जाएगी। ये छात्रों और शिक्षक दोनों ही को पारंपरिक शिक्षा पद्धति से दो कदम आगे बढ़ने में मददगार साबित होगी। अक्तूबर 2015 में एकेटीयू और टीआई यूनिवर्सिटी प्रोग्राम पार्टनर सेपियंस कंसल्टिंग के बीच एक अनुबंध हुआ था। जिसके तहत टीआई तकनीकी पर आधारित संशोधित पाठ्यक्रम तैयार करने का फैसला लिया गया। इसमें, इंडस्ट्री में इस्तेमाल होने वाली तकनीकी को क्लासरूम तक पहुंचने और पाठ्यक्रम को ज्यादा से ज्यादा अपडेट करने पर जोर दिया गया।

अब इस अनुबंध के तहत एकेटीयू इंजीनियरिंग के स्नातक पाठ्यक्रम में आधुनिक टीआई एनालॉग तकनीकी को जोड़ने में सफल हुआ है। यहां विश्वविद्यालय संस्था को अगले 16 महीने के कोर्स के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम चलाने के लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध कराएगा। जबकि, सेपियंस कंसल्टिंग तकनीकी विशेषज्ञ उपलब्ध कराएंगे।

एकेटीयू और टेक्सास इन्स्ट्रूमेन्ट्स के बीच बुधवार को अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए।

जनवरी में शुरू होगा प्रशिक्षण

सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के अंतर्गत पहले मास्टर ट्रेनर तैयार किए जाएंगे। इसके लिए जनवरी में प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया जाएगा। इन मास्टर ट्रेनर की जिम्मेदारी होगी कि वह अपने छात्र और अन्य शिक्षकों को नई तकनीकी के बारे में अपडेट करे। पाठ्यक्रम का ज्यादातर हिस्सा व्यवसायिक ज्ञान पर जोर देगा। कुलपति के अनुसार इस पाठ्यक्रम की सहायता से हम अपने देश को कुशल इंजिनियरों की सौगात दे सकेंगे। यह ऐसे इंजिनियर होंगे जो अपने काम में शिक्षा के दौरान ही महारत हासिल कर चुके होंगे।

नतीजों पर आधारित होता भविष्य

यूनिवर्सिटी प्रोग्राम टीआई इंडियन के निदेशक संजय श्रीवास्तव ने बताया कि अभी 2017 तक के लिए अनुबंध किया गया है। इस दौरान प्राप्त नतीजों के आधार पर इसका भविष्य तय किया जाएगा।